CLASS : 12th (Sr. Secondary) — **Code No. 2205**

Series : SS/Annual Exam.-2025

रोल नं० | | | | | | | | | | |

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

ACADEMIC/OPEN

(Only for Fresh/Re-appear/Improvement/Additional Candidates)

*समय : **3** घण्टे]* *[पूर्णांक : **80***

- *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** तथा प्रश्न **13** हैं।*
- *प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये **कोड नम्बर** को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।*
- *कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।*
- *उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।*
- *उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।*
- *परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।*
- *कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, **परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।***

नोट : (i) ***सभी प्रश्न अनिवार्य हैं,*** *किन्तु कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*

(ii) जिन प्रश्नों के कई भाग हैं, उन्हें एक साथ कीजिए।

(iii) वर्तनी की अशुद्धियों तथा विषयान्तर की स्थिति में अंक काटे जाएँगे।

(iv) शुद्ध सुपाठ्य और सटीक उत्तरों को अधिमान दिया जाएगा।

(v) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सामने दिए गए हैं।

(vi) प्रत्येक खण्ड और प्रश्न के साथ आवश्यकता के अनुसार यथोचित निर्देश दिए गए हैं।

खण्ड – क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $1 \times 5 = 5$

दूसरों को स्नेह देना और उनका सम्मान करना सामाजिक सफलता का एकमात्र मंत्र है। जीवन में सुख-शांति और उन्नति चाहने वाले प्रत्येक महत्त्वाकांक्षी को सबसे पहले यही सीख धारण करनी चाहिए। महाभारत के ज्येष्ठ पांडव युधिष्ठिर के राजसूय यज्ञ में कृष्ण ने लोगों के स्वागत की ज़िम्मेदारी ली और बदले में वे उस यज्ञ के सर्वाधिक पूज्य व्यक्ति माने गए। ईसा मसीह, गौतम बुद्ध, महावीर, महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों में रंचमात्र भी अभिमान न था। उन्होंने सदैव दूसरों को महत्त्व दिया और इस तरह से वे स्वयं महान बन गए।

मान-सम्मान का मूल्य चुकाना असंभव है। बिना मान-सम्मान के यदि अमृत भी मिले तो विष बन जाता है और मानपूर्वक दिया गया विष अमृत बन जाता है। विद्यार्थी जीवन का प्रथम पाठ यही है कि वह गुरु के प्रति सच्चे सम्मान का भाव अपने हृदय में पैदा करे, अन्यथा उसकी सारी विद्या निष्फल हो जाएगी।

प्रश्न :

(i) सामाजिक सफलता का एकमात्र मंत्र क्या है ?

(क) भेद-भाव करना

(ख) ईर्ष्या-द्वेष करना

(ग) दूसरों को स्नेह देना तथा सम्मान करना

(घ) युद्ध करना

(ii) स्वयं महान बनने के लिए क्या करना चाहिए ?

(क) दूसरों को हीन समझना चाहिए

(ख) दूसरों को निम्नकोटि का समझना चाहिए

(ग) दूसरों का अपमान करना चाहिए

(घ) दूसरों को सम्मान देना चाहिए

(iii) गद्यांश के आधार पर विद्यार्थी को सफलता के लिए क्या करना चाहिए ?

(क) माता-पिता का सम्मान

(ख) गुरु का सम्मान

(ग) अतिथि का सम्मान

(घ) मित्रों का सम्मान

(iv) युधिष्ठिर के राजसूय यज्ञ में कृष्ण ने क्या कर्म किया ?

(क) यज्ञ किया

(ख) कौरवों का अपमान किया

(ग) लोगों का स्वागत किया

(घ) पांडवों को उपदेश दिया

(v) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है :

(क) स्नेह और सम्मान

(ख) राजसूय यज्ञ

(ग) विद्यार्थी

(घ) गुरु-सम्मान

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1 × 5 = 5

उपयुक्त उस खल को न यद्यपि मृत्यु का भी दण्ड है,
पर मृत्यु से बढ़कर न जग में दण्ड और प्रचण्ड है।
अतएव कल उस नीच को रण-मध्य जो मारूँ न मैं,
तो सत्य कहता हूँ कभी शस्त्रास्त्र फिर धारूँ न मैं।
अथवा अधिक कहना वृथा है, पार्थ का प्रण है यही,
साक्षी रहे सुन ये बचन रवि, शशि, अनल, अम्बर, मही।
सूर्यास्त से पहले न जो मैं कल जयद्रथ-वध करूँ,
तो शपथ करता हूँ स्वयं मैं ही अनल में जल मरूँ।

\- मैथिलीशरण गुप्त

प्रश्न :

(i) 'खल' का समानार्थी है :

(क) नायक

(ख) दुष्ट प्रवृत्ति का

(ग) योद्धा

(घ) दण्ड

(ii) संसार में सबसे बड़ा दण्ड है :

(क) मृत्युदण्ड

(ख) अर्थदण्ड

(ग) अग्निदण्ड

(घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) 'वृथा' का समानार्थक है :

(क) उचित

(ख) व्यर्थ

(ग) पाप

(घ) प्रण

(iv) पार्थ की क्या प्रतिज्ञा है ?

(क) दुष्ट को मारने की

(ख) जयद्रथ-वध करने की

(ग) अस्त्र-शस्त्र धारण न करने की

(घ) आग में जलकर मरने की

(v) रवि, शशि, अनल, अम्बर एवं मही के पर्यायवाची क्रमशः हैं :

(क) सूर्य, रात्रि, अग्नि, आकाश, पाताल

(ख) सूर्य, चन्द्रमा, वायु, आकाश, पाताल

(ग) सूर्य, रात्रि, अग्नि, आकाश, पाताल

(घ) सूर्य, चन्द्रमा, अग्नि, आकाश, पृथ्वी

खण्ड – ख

3. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के ***उचित*** विकल्प चुनकर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए : $1 \times 5 = 5$

प्रश्न :

(i) 'प्रेमघन की छाया स्मृति' पाठ के लेखक का नाम है :

(क) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(ख) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ग) प्रेमचंद

(घ) महादेवी वर्मा

(ii) 'सुमिरिनी के मनके' पाठ में संकलित निबंध ***नहीं*** है :

(क) बालक बच गया

(ख) चावल के दाने

(ग) घड़ी के पुर्जे

(घ) ढेले चुन लो

(iii) 'पहचान' लघुकथा में राजा ने सर्वप्रथम क्या हुक्म दिया ?

(क) अपने होंठ सिलवा लो।

(ख) अपने कानों में सीसा डलवा लो

(ग) अपनी आँखें बंद रखो

(घ) अपने हाथ कटवा लो

(iv) 'दूसरा देवदास' कहानी में ममता कालिया ने निम्न में से किस स्थान का वर्णन किया है ?

(क) प्रयागराज

(ख) वाराणसी

(ग) पटना

(घ) हर की पौड़ी हरिद्वार

(v) 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ में किस स्थान की समस्या को उजागर किया गया है ?

(क) सिंगरौली क्षेत्र के अमझर गाँव की

(ख) दिल्ली की

(ग) गुजरात की

(घ) हरियाणा की

4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $1 \times 5 = 5$

''कुटज क्या केवल जी रहा है ? वह दूसरों के द्वार पर भीख माँगने नहीं जाता, कोई निकट आ गया तो भय के मारे अधमरा नहीं हो जाता, नीति और धर्म का उपदेश नहीं देता फिरता, अपनी उन्नति के लिए अफसरों का जूता नहीं चाटता फिरता, दूसरों को अपमानित करने के लिए ग्रहों की खुशामद नहीं करता, आत्मोन्नति हेतु नीलम नहीं धारण करता, अंगूठियों की लड़ी नहीं पहनता, दाँत नहीं निपोरता, बगले नहीं झाँकता। जीता है और शान से जीता है - काहे वास्ते, किस उद्देश्य से ? कोई नहीं जानता।''

प्रश्न :

(i) पाठ एवं गद्यांश के लेखक का नाम लिखिए।

(ii) गद्यांश में किसकी विशेषताओं का वर्णन है ?

(iii) कुटज किस उद्देश्य से बड़ी शान से जीता है, उसे कौन जानता है ?

(iv) कुटज क्या केवल जी रहा है ?

(v) आत्मोन्नति हेतु कौन नीलम धारण नहीं करता ?

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) बचपन में लेखक के मन में भारतेंदु जी के संबंध में कैसी भावना जगी रहती थी ? 3

(ii) हरगोबिन बड़ी हवेली में पहुँचकर अतीत की किन स्मृतियों में खो जाता है ? 3

(iii) लोमड़ी स्वेच्छा से शेर के मुँह में क्यों चली जा रही थी ? 2

(iv) उस छोटी सी मुलाकात ने संभव के मन में क्या हलचल उत्पन्न कर दी ? इसका सूक्ष्म विवेचन कीजिए। 2

खण्ड – ग

6. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के ***उचित*** विकल्प चुनकर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए : $1 \times 5 = 5$

(i) 'देवसेना का गीत' जयशंकर प्रसाद विरचित किस नाटक में है ?

(क) स्कंदगुप्त

(ख) चन्द्रगुप्त

(ग) राज्यश्री

(घ) अजातशत्रु

(ii) 'यह दीप अकेला' कविता के रचयिता हैं :

(क) मैथिलीशरण गुप्त

(ख) अज्ञेय

(ग) प्रसाद

(घ) निराला

(iii) कवि के प्रश्न 'हिमालय किधर है ?' का बच्चे ने क्या उत्तर दिया ?

(क) वहाँ-वहाँ

(ख) यहाँ-यहाँ

(ग) इधर-इधर

(घ) उधर-उधर

(iv) तुलसीदास विरचित पुस्तक ***नहीं*** है :

(क) रामचरितमानस

(ख) विनयपत्रिका

(ग) पद्मावत

(घ) गीतावली

(v) मलिक मुहम्मद जायसी किस काल के कवि हैं ?

(क) भक्तिकाल

(ख) आदिकाल

(ग) रीतिकाल

(घ) आधुनिककाल

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5

राघौ ! एक बार फिरि आवौ।
ए बर बाजि बिलोकि आपने बहुरो बनहिं सिधावौ।।

जे पय प्याइ पोखि कर-पंकज वार वार चुचुकारे।
क्यों जीवहिं, मेरे राम लाडिले ! ते अब निपट बिसारे।।
भरत सौगुनी सार करत हैं अति प्रिय जानि तिहारे।
तदपि दिनहिं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिममारे।।
सुनहु पथिक ! जो राम मिलहिं बन कहियो मातु संदेसो।
तुलसी मोहिं और सबहिन तें इन्हको बड़ो अंदेसो।।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) कवि ने आशा को बावली क्यों कहा है ? 2

(ii) 'यह दीप अकेला, पर इसको भी पंक्ति को दे दो' के आधार पर व्यष्टि का समष्टि में विलय क्यों और कैसे संभव है ? 3

(iii) वसंत आगमन की सूचना कवि को कैसे मिली ? 2

(iv) माघ महीने में विरहिणी को क्या अनुभूति होती है ? 3

खण्ड – घ

9. ***'अंतराल (भाग-2)'*** के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) सूरदास की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए। 3

(ii) लेखक बिसनाथ ने किन आधारों पर अपनी माँ की तुलना बत्तख से की है ? 2

(iii) मालवा में जब सब जगह बरसात की झड़ी लगी रहती है, तब मालवा के जन-जीवन पर इसका क्या असर पड़ता है ? 2

खण्ड – ङ

10. ***'अभिव्यक्ति और माध्यम'*** के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $1 \times 5 = 5$

(i) टेलीविजन किस प्रकार का माध्यम है ?

(ii) वह लेख, जिसमें किसी मुद्दे के प्रति समाचार-पत्र की अपनी राय प्रकट होती है, क्या कहलाता है ?

(iii) नाटक का सबसे आवश्यक और सशक्त अंग क्या है ?

(iv) 'गल्प' का क्या अर्थ है ?

(v) सामान्यतः रेडियो नाटक की अवधि कितनी होती है ?

11. (क) समाचार लेखन के छह ककार कौन-से हैं ? 3

(ख) कविता क्या है ? 2

12. नाटक लिखने के व्याकरण पर प्रकाश डालिए। 5

अथवा

'इम्तहान के दिन' विषय पर एक लेख लिखिए।

खण्ड – च

13. ***'नैतिक शिक्षा'*** के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 4 = 8$

(क) हताश होने के कारण अर्जुन की मनःस्थिति कैसी थी ?

(ख) अनुकूलता और प्रतिकूलता में हमें किस प्रकार का संयमित व्यवहार करना चाहिए ?

(ग) हमें अपने मन में क्या नहीं रखना चाहिए और क्यों ?

(घ) दुर्गा देवी क्रांतिकारियों की सहायता को क्यों तैयार हो गईं ?